नवोन्मेष
रुक्टा (राष्ट्रीय)

राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)

(अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से संबद्ध)

website: www.ructarashtriya.org **Email:** info@ructarashtriya.org

केन्द्रीय कार्यालय	:	देराश्री शिक्षक सदन, राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर-302004
प्रधान कार्यालय	:	सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर-305001 (राज.)
अध्यक्ष	:	डॉ. दिग्विजयसिंह शेखावत, बीकानेर मो. 9414452369, 9983007575
महामंत्री	:	डॉ. नारायणलाल गुप्ता, अजमेर मो. 9414497042

परिपत्र क्रं. : रुक्टा (रा.)/2016-17/02 कार्तिक कृ. ११ वि. स. २०७३ तदनुसार 26 अक्टूबर, 2016

(सभी इकाई सचिवों एवं सक्रिय सदस्यों को समस्त सदस्यों में प्रसारित करने के अनुरोध सहित प्रेषित)

प्रिय महोदय/महोदया,

सादर नमस्कार।

दीपावली के पावन-प्रकाश पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि सद्ज्ञान का प्रकाश हम सब के अन्तर को आलोकित करता हुआ हमारे जीवन को प्रेममय, उज्ज्वल एवं निर्मल बनाए। पिछले परिपत्र के पश्चात् पदनाम परिवर्तन को लेकर 7 नवम्बर को जयपुर में होने वाले प्रदर्शन की सूचना, संगठन की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी सहित नवीन परिपत्र प्रस्तुत है।

पदनाम परिवर्तन को लेकर प्रदर्शन 7 नवम्बर को

महाविद्यालय शिक्षकों का पदनाम यूजीसी रेग्यूलेशन के अनुरूप व्याख्याता के स्थान पर असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर व प्रोफेसर करने तथा शारीरिक शिक्षकों का पदनाम पीटीआई के स्थान पर शारीरिक शिक्षा निदेशक करने को लेकर संगठन के द्वारा निरन्तर किए गए प्रयासों के बावजूद सरकार द्वारा अभी तक निर्णय नहीं लिया गया है। केबिनेट मंत्री (उच्च शिक्षा) श्री कालीचरण जी सराफ द्वारा जनवरी 2014 में हजारों शिक्षकों के समक्ष की गई घोषणा, यूजीसी रेग्यूलेशन को लागू करने की अनिवार्यता होने, राज्यपाल श्री कल्याण सिंह जी, मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धराराजे जी व अधिकारियों के समक्ष सभी तथ्य व दस्तावेज प्रस्तुत करने, 4200 से अधिक शिक्षकों के हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन एवं 100 से अधिक जनप्रतिनिधियों के समर्थन पत्र प्रस्तुत करने के बावजूद भी पदनाम परिवर्तन को टाले जाने के बाद सड़क पर उतरकर संघर्ष करना ही अगला लोकतांत्रिक उपाय बचा था। प्रदेश कार्यकारिणी के निर्णयानुसार जयपुर में मुख्यमंत्री निवास के समक्ष दिनांक 7 नवम्बर, 2016 को प्रात: 11 से अपराह्न 2 बजे तक प्रदर्शन किया जायेगा। सभी शिक्षक बन्धु बहिनों से प्रदर्शन में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह है। लोकतंत्र में निर्णय संख्या बल से प्रभावित होता है इस कारण आप सबकी उपस्थिति का महत्व अत्यधिक बढ़ जाता है। पदनाम परिवर्तन की लड़ाई राज्य की उच्च शिक्षा के हित में तो है ही, स्वयं के हित में भी है। इस संघर्ष को निर्णायक मोड़ देने के लिए अपने महाविद्यालय के सभी शिक्षक साथियों के साथ 7 नवम्बर को जयपुर आने का नम्र निवेदन है।

शिक्षक समस्याओं के संबंध में संगठन की गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

1. **यूजीसी पे रिव्यू कमेटी के समक्ष राज्य के शिक्षकों का विस्तृत पक्ष प्रस्तुत** - केन्द्रीय कर्मचारियों के 7 वें वेतन आयोग के अनुरूप महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय शिक्षकों के नवीन वेतनमान हेतु भोपाल में सम्पन्न यूजीसी पे रिव्यू कमेटी की वर्कशाप में संगठन द्वारा राज्य में शिक्षा एवं शिक्षकों की समस्याओं एवं अपेक्षाओं को विस्तार से रखा गया। मानव ससाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी कमेटी के 6 टर्म ऑफ रेफरेंस (ToRs) में से प्रत्येक पर विस्तृत तथ्य, सुझाव एवं पुनर्निवेश सम्मिलित करते हुए विस्तृत ज्ञापन तथा साथ में सहायक दस्तावेज प्रस्तुत किए गये। पे रिव्यू कमेटी के चेयरमेन प्रो. वी एस चौहान से प्रत्येक टर्म ऑफ रेफरेंस के संबंध में संगठन की वार्ता हुई। संगठन द्वारा कमेटी को यह जानकारी दी गई कि पिछले यूजीसी वेतनमान की अनुशंसाओं को राज्य सरकार द्वारा पूर्णतः लागू नहीं किया गया है महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम, पीएचडी के लाभ तथा पूर्व/अन्यत्र की गई सेवा को पेंशन/पदोन्नति के लिए जोड़ने वाले प्रावधानों को नहीं मानने से शिक्षकों को गंभीर अकादमिक एवं वित्तीय नुकसान हो रहा है। सेवारत शिक्षकों को पीएचडी हेतु कोर्सवर्क से छूट देने/सवैतनिक अवकाश का प्रावधान करने, जनवरी से जून 2006 के मध्य वेतन वृद्धि वाले शिक्षकों को अन्य कर्मचारियों की भांति एक अतिरिक्त वेतन वृद्धि देने जैसी समस्याओं के कारण होने वाली विसंगतियों की ओर कमेटी का ध्यान आकृष्ट किया गया।

   संगठन ने पुरजोर आग्रह किया कि वेतन समीक्षा समिति द्वारा महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए नवीन वेतन पैकेज पर विचार करते समय पिछले वेतन आयोग की सब विसंगतियों को दूर किया जाना चाहिए। इन विसंगतियों की उपस्थिति में शिक्षकों को भारी नुकसान होगा। महामंत्री द्वारा राज्य में उच्च शिक्षा की धरातलीय वास्तविकताओं को प्रस्तुत करते हुए पदोन्नति हेतु एपीआई को समाप्त करने की माँग की गई तथा सम्पूर्ण सेवाकाल में कम से कम 4 सुनिश्चित कैरियर प्रगति (assured career progressions) देने का प्रावधान रखने का आग्रह किया। कमेटी के ध्यान में लाया गया कि केन्द्रीय / राज्य सरकार की सभी सेवाओं में 3 से 4 कॅरियर प्रगति का प्रावधान है जो केवल सेवा के वर्षों की संख्या से संबंधित हैं।

   वेतन का ढाँचा और सेवानिवृत लाभ सभी शिक्षकों के समान ही पुस्तकालयाध्यक्षों एवं शारीरिक शिक्षा निदेशकों को देने, पूर्व में अन्य संस्थान में की गई सेवा के अनुरूप पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने, परिवीक्षा काल में सेवा के पूर्ण लाभ देने जैसे विषयों को भी प्रमुखता से रखा गया। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अध्यापन के पेशे में प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए केंद्रीय सरकारी सेवाओं के कर्मचारियों की तुलना में प्रवेश बिन्दु पर उच्च वेतन देने एवं अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सेवा गठन करने का सुझाव भी संगठन द्वारा दिया गया। शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए शिक्षकों की नियमित भर्ती करने तथा एक सीमा से अधिक रिक्तियाँ होने पर सरकार को अनुदान बंद करने तथा पात्रता वापस लेने जैसे कठोर कदम उठाने के सुझाव दिये गए। संगठन ने पे रिव्यू कमेटी से शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए शिक्षक शिक्षार्थी अनुपात 1 : 25 से अधिक नहीं रखने की मांग भी की। कमेटी ने सभी मुद्दों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर समुचित निर्णय लेने का मंतव्य प्रकट किया। वर्कशॉप में संगठन महामंत्री, संभाग संगठन मंत्री डॉ. सुशील बिस्सू, उपाध्यक्ष डॉ. सत्यनारायण शर्मा एवं डॉ. शंकर लाल शर्मा ने भाग लिया।

2. **केन्द्रीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री श्री महेन्द्रनाथ पांडे एवं केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल से भेंट** - रुक्टा(राष्ट्रीय) के अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री श्री महेन्द्रनाथ पांडे से भेंट कर विभिन्न शिक्षक समस्याओं के

समाधान की माँग की। संगठन द्वारा श्री पांडे के समक्ष विभिन्न दस्तावेज एवं तथ्य प्रस्तुत करते हुए ध्यान में लाया गया कि राज्य सरकार द्वारा यू.जी.सी. रेगुलेशन के अनुरूप अभी तक महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम परिवर्तित नहीं किये गये हैं। पिछली राज्य सरकार द्वारा यू.जी.सी. रेगुलेशन के अनुसार सेवा शर्तों एवं पदनाम परिवर्तन का झूठा घोषणा पत्र देकर चार सौ करोड़ रुपये केन्द्र से प्राप्त कर लिये गये। संगठन ने श्री पांडे से इस विषय में हस्तक्षेप कर महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम अविलम्ब असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर एवं प्रोफेसर करने की माँग की।

संगठन द्वारा मंत्रीजी का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित कराया गया कि सेवारत शिक्षकों को पीएच.डी. कोर्स वर्क हेतु छूट नहीं होने के कारण शोध बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सेवारत शिक्षकों को कोर्स वर्क से छूट दी जाये अथवा इसके लिए उन्हें 6 महीने का सवैतनिक अवकाश देने की व्यवस्था हो, यह उच्च शिक्षा में कार्यरत शिक्षकों को अधिकाधिक पीएच.डी. करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। संगठन द्वारा रिफ्रेशर एवं ओरियंटेशन कोर्स की छूट अवधि को 31 दिसम्बर 2016 तक बढ़ाने की माँग भी की गई। मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री श्री महेन्द्रनाथ पांडे ने सभी समस्याओं को गंभीरता से समझा तथा जल्दी ही इनके सकारात्मक समाधान का वादा किया। संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल से भेंट करके उनसे भी पदनाम परिवर्तन की समस्या के समाधान में प्रभावी भूमिका निभाने का आग्रह किया। श्री मेघवाल ने भरोसा दिलाया कि वे स्वयं रुचि लेकर इस विषय में केन्द्र व राज्य सरकार से बात करेंगे तथा पदनाम परिवर्तन में आ रही अड़चनों को शीघ्र ही दूर करवायेंगे।

3. **प्राचार्य एवं उपाचार्य पदों पर डी.पी.सी. पश्चात पदस्थापन** – संगठन निरन्तर इस विषय पर संघर्ष करता रहा है कि शिक्षकों को पदोन्नति समय पर मिले। डी.पी.सी. की बैठकों को टाला जाना न महाविद्यालयों के सुचारू संचालन के लिए ठीक होता है और न ही व्यापक शिक्षक हित में। संगठन के प्रयासों से व सरकार के सकारात्मक रुख के चलते पिछले 3 वर्षों में इस संबंध में कुछ नियमितता आई है। हालाँकि आदर्श स्थिति हेतु संघर्ष जारी ही रहने वाला है। फिर भी प्रसन्नता का विषय है कि संगठन के लगातार प्रयासों से 4 जुलाई 2016 को वर्ष 2016-17 तक के लिए प्राचार्य एवं उपाचार्य पदों हेतु डी.पी.सी. आयोजित कर अगस्त माह में राज्य के महाविद्यालयों में प्राचार्य एवं उपाचार्य के खाली पदों पर पदस्थापन कर दिया गया है। वर्ष 2016-17 तक की डी.पी.सी. होने से मार्च 2017 तक महाविद्यालयों में प्राचार्य / उपाचार्य पद रिक्त नहीं रहेंगें जिससे महाविद्यालयों का प्रशासनिक संचालन सुदृढ़ हो सकेगा।

4. **कैरियर एडवान्समेन्ट योजना के अन्तर्गत 30 जून 2015 तक पात्र शिक्षकों को वरिष्ठ एवं चयनित वेतनमान का लाभ** – सी.ए.एस.योजना के तहत वरिष्ठ/चयनित वेतनमान एवं पे-बैंड-4 के लिए संवीक्षा बैठक समयबद्ध आयोजित करवाने के लिए संगठन सरकार पर लगातार दबाव बनाता आ रहा है। संगठन के प्रयासों से 30-6-2013 तक के लंबित वरिष्ठ/चयनित वेतनमान की संवीक्षा गत नवम्बर 2014 में एवं 30-6-2013 तक के पे-बैंड-4 के आदेश नवम्बर 2015 में प्रसारित हो चुके हैं। संगठन के प्रयासों से माननीय उच्च शिक्षा मंत्रीजी ने 31 दिसम्बर 2015 को संगठन के प्रांतीय अधिवेशन में 30-6-2015 तक ड्यू वरिष्ठ, चयनित वेतनमान का लाभ देने की घोषणा की थी जिसकी परिणति में संवीक्षा समिति की बैठक कर वरिष्ठ/चयनित वेतनमान का लाभ देने के आदेश दिनांक 6-9-2016 को प्रसारित किये जा चुके हैं। जिन पात्र व्याख्याताओं के आवेदन पत्र में कमियाँ रही उनके लिए भी 12-7-2016 को जारी आदेश द्वारा आवश्यक दस्तावेज मँगवाकर कार्यवाही प्रारंभ की जा चुकी है।

संगठन निरन्तर प्रयासरत है कि आवेदन पत्रों में कमी के कारण जिन शिक्षक साथियों को वरिष्ठ/चयनित वेतनमान का लाभ नहीं मिला है उनकी संवीक्षा बैठक एवं 30-6-2015 तक पे-बैंड-4 के पात्र शिक्षकों के लिए आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूर्ण की जाए। संगठन इसके लिए भी प्रयासरत है कि वरिष्ठ/चयनित वेतनमान एवं पे-बैंड-4 की संवीक्षा/चयन बैठक प्रतिवर्ष आयोजित की जाए जिससे कि शिक्षकों को उनके वित्तीय अधिकार समय पर मिल सकें।

5. **मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर जी से भेंट:-** अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के एक प्रतिनिधि मण्डल ने 13 अक्टूबर 2016 को उच्च शिक्षा संवर्ग की समस्याओं को लेकर केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर जी से विस्तृत भेंटवार्त्ता की। वार्त्ता में कई मुद्दों पर सहमति बनी है तथा शीघ्र ही सचिव स्तरीय बैठक कर समाधान की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना तय किया गया है। प्रतिनिधि मंडल में प्रो. जे.पी. सिंघल, संगठन मंत्री श्री महेन्द्र कपूर, उच्चशिक्षा संवर्ग प्रभारी श्री महेन्द्र कुमार, प्रो. मनोज सिन्हा, प्रो. अनुराग मिश्रा आदि शामिल थे।

6. **स्नातक कक्षाओं में सीटें बढ़ाने का विरोध** - राज्य के महाविद्यालयों में गत वर्षों से स्नातक पार्ट-प्रथम में लंबित आवेदन पत्रों के कारण 25 प्रतिशत सीटों की अभिवृद्धि करने का संगठन ने पुरजोर विरोध किया है। यू.जी.सी. नियमानुसार प्रति वर्ग 60 विद्यार्थियों की संख्या के मापदण्ड निर्धारित हैं। पूर्व में सरकार द्वारा प्रति वर्ग सीटें 60 से बढ़ाकर 80 तक की जा चुकी हैं। इससे शिक्षक शिक्षार्थी अनुपात पूर्व में ही काफी गड़बड़ हो चुका है। इसके बाद 25 प्रतिशत सीटें बढ़ाने से प्रति वर्ग 100 (विज्ञान में 88) विद्यार्थी संख्या के साथ शिक्षा की गुणवत्ता का ह्रास तेजी से होगा। संगठन ने उच्च शिक्षा के अधिकारियों एवं मंत्रीजी से पत्र लिख कर सीटें बढ़ाने का विरोध कर माँग की है कि राज्य सरकार विद्यार्थी हित में सीट बढ़ाने के स्थान पर नए वर्ग स्वीकृत करें एवं पिछले 10 वर्षों में विद्यार्थियों की संख्या में हुई वृद्धि के अनुरूप कार्यभार का आकलन करवाकर तदनुरूप शिक्षकों के नए पद भी स्वीकृत करें।

7. **पुनर्गठित महाविद्यालयों का आवश्यक संसाधनों सहित स्पष्ट पुनर्गठन की माँग** - संगठन लम्बे समय से पुनर्गठित महाविद्यालयों के सुचारू संचालन के लिए शिक्षकों एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के पदों के स्थानान्तरण की माँग सरकार से करता आया है। बिना संसाधन उपलब्ध कराए महाविद्यालयों के पुनर्गठन करने का संगठन द्वारा विरोध किया गया है। संगठन के प्रयासों से आठ नवीन पुनर्गठित महाविद्यालयों में शैक्षणिक पदों एवं विषयों के स्थानान्तरण का आदेश एवं उन पदों पर शिक्षकों को लगाने के आदेश आयुक्तालय द्वारा प्रसारित कर दिये गए हैं। संगठन ने इन महाविद्यालयों के प्राचार्यों को स्पष्ट वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार देने की माँग की है। इसके साथ ही अभी तक इन महाविद्यालयों के भौगोलिक पुनर्गठन नहीं किए जाने पर असंतोष व्यक्त करते हुए अविलंब स्पष्ट सीमा निर्धारण की माँग संगठन ने उच्च शिक्षा मंत्री से की है।

8. **नवीन महाविद्यालयों में संसाधन एवं स्टॉफ की माँग** - राज्य में उच्च शिक्षा प्रसार के लिए पिछले वर्षों में बड़ी संख्या में नवीन महाविद्यालय खोले गए हैं, किन्तु नवीन महाविद्यालयों के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक संसाधन एवं कार्मिकों की आवश्यकता होती है। संगठन बिना संसाधनों एवं स्टॉफ के नवीन महाविद्यालयों को खोलने के पक्ष में नहीं है। संगठन ने उच्च शिक्षा मंत्री महोदय से गत वर्षों में खोले गए महाविद्यालयों में सृजित व्याख्याताओं एवं कार्मिकों के पदों के अनुरूप भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ करवाने की माँग की है। साथ ही इन महाविद्यालयों को आवश्यक भौतिक संसाधन उपलब्ध करवाने हेतु पर्याप्त बजट जारी करने की माँग भी की है।

9. **राज्य के महाविद्यालयों में रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती की माँग** – राजकीय महाविद्यालयों में व्याख्याताओं के लगभग 5500 पद स्वीकृत हैं जिनमें लगातार सेवानिवृत्ति के पश्चात लगभग 4000 व्याख्याता ही कार्य कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गत 3 वर्षों में नवीन खोले गए महाविद्यालयों में भी लगभग 300 पद नए स्वीकृत हुए हैं। इस प्रकार वर्तमान स्थिति में कुल 5800 पदों में से एक तिहाई से अधिक पद रिक्त हैं। व्याख्याताओं के रिक्त पदों से राज्य की उच्च शिक्षा का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। संतोष का विषय है कि वर्तमान सरकार ने लगभग 1250 पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की है। किन्तु लोक सेवा आयोग द्वारा इन पदों पर अब तक भर्ती प्रक्रिया पूर्ण नहीं की गई है। संगठन ने उच्च शिक्षा मंत्रीजी से आग्रह किया है कि लोक सेवा आयोग से उक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया को यथाशीघ्र पूर्ण करवाएँ तथा साथ ही गत 2 वर्षों में रिक्त हुए पदों तथा नवीन सृजित पदों पर भी शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ करवाएँ।

सांगठनिक एवं वैचारिक गतिविधियाँ

1. **गुरुवन्दन कार्यक्रम सम्पन्न** – अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की कार्ययोजना के अनुरूप प्रदेश में संगठन की विभिन्न इकाईयों द्वारा गुरुवन्दन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राजकीय महाविद्यालय, अजमेर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में क्षेत्र कार्यवाह श्री हनुमान सिंह जी राठौड़ ने भारत के गुरुत्व की व्याख्या करते हुए हमारे सामाजिक एवं सांस्कृतिक ढांचे को सर्वश्रेष्ठ बताया। कार्यक्रम में संगठन महामंत्री, चित्तौड़ संभाग संगठन मंत्री प्रो. सुशील कुमार बिस्सु, प्रान्तीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. एम. के. गोखरू, प्रधान कार्यालय मंत्री प्रो. अतुल कुमार शर्मा, इकाई सचिव प्रो. लीलाधर सोनी, प्रो. अनूप आत्रेय, प्रो. अनिल दाधीच सहित 150 से अधिक प्राध्यापक उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपाचार्य प्रो. शैलेन्द्र श्रीवास्तव ने की। राजकीय कला महाविद्यालय, अलवर में डॉ. एन.एल. शर्मा के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि जीवन तभी सार्थक है जब हम एक गुरु के निर्देशन में कार्यरत रहें। राजकीय महाविद्यालय, गोगुन्दा में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री के. एल. चौबीसा थे। कार्यक्रम में डॉ. सरोज कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किये। राजकीय महाविद्यालय, तारानगर में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. सुरेन्द्र सोनी रहे।

   राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर में आयोजित कार्यक्रम की मुख्य वक्ता साध्वी भुवनेश्वरी देवी ने अपने उद्‌बोधन में गुरु पूजा को व्यक्ति पूजा न होकर ज्ञान की पूजा बताया। उन्होंने भारत की गौरवशाली गुरु परम्परा से द्रोणाचार्य, वेदव्यास, चाणक्य, रामकृष्ण परमहंस के जीवन का उदाहरण देते हुए गुरु की महत्ता प्रतिपादित की। राजकीय महिला महाविद्यालय, सादुलशहर में गुरु वंदन कार्यक्रम पी.सी. आचार्य के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। राजकीय महाविद्यालय सांभरलेक में कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. ओ. पी. दायमा रहे। राजकीय कन्या महाविद्यालय, अजमेर में मुख्य वक्ता प्रो. अनिलकुमार गुप्ता थे। कोटा विश्वविद्यालय में गुरु वन्दन कार्यक्रम कुलपति प्रो. पी. के. दशोरा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। राजकीय महाविद्यालय चित्तौड़गढ़ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. सुरेशचन्द्र राजोरा ने कहा कि शिक्षकों को अपने पूर्व जन्म के सत्कर्मों के कारण गुरु बनने का सौभाग्य प्राप्त होता है। उन्होंने शिक्षकों को सनातन परम्परा अनुसार अपने गुरुत्व के निर्वहन का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्राचार्य एम.डी. मून्दड़ा, विभाग अध्यक्ष डॉ. पीयूष शर्मा, सचिव प्रो. संदीप शर्मा सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक उपस्थित थे। राजर्षि महाविद्यालय अलवर में गुरु वन्दन कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रजापति ब्रह्माकुमारी सेवा केन्द्र की प्रभारी ममता दीदी ने गुरु को जीवन का अंधकार दूर करने वाला बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अनूप श्रीवास्तव ने की एवं विषय प्रवर्तन डॉ. गंगाश्याम गुर्जर ने किया। एम.

एस. महाविद्यालय, बीकानेर में कार्यक्रम संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. रजनी रमण रहे।

राजकीय महाविद्यालय, चिमनपुरा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता संगठन महामंत्री ने अपने गुरुत्व के माध्यम से विद्यार्थी के शरीर, मन, बुद्धि एवं आत्मा का एकात्मविकास करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में डॉ. सरस्वती मित्तल एवं डॉ. सूरजमल चान्दोलिया ने भी अपने विचार व्यक्त किये। संचालन डॉ. सीताराम चौधरी एवं डॉ. सुनील गर्ग ने किया। राजकीय महाविद्यालय, नसीराबाद में राजगढ़ भैरवधाम के मुख्य उपासक श्री चम्पालालजी महाराज के आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने गुरु दक्षिणा के रूप में नशा मुक्ति एवं कन्या भ्रूण हत्या के कृत्य से दूर रहने का संकल्प करवाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. कल्पना गौड़ ने की। विषय प्रवर्तन इकाई सह सचिव डॉ. कमलेश रावत ने किया। संचालन डॉ. गजेन्द्र मोहन ने किया। कार्यक्रम में उपाचार्य डॉ. अनामी शरण पंवार, विभाग सचिव डॉ. अनिल गुप्ता, सहसचिव डॉ. अतुल अग्रवाल सहित प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। राजकीय महाविद्यालय, बीबीरानी में मुख्य वक्ता संगठन के संयुक्त मंत्री डॉ. गंगाश्याम गुर्जर रहे।

राजकीय महाविद्यालय, पुष्कर में आयोजित कार्यक्रम चित्रकूट धाम के पाठक जी महाराज के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। राजकीय महाविद्यालय, सरदारशहर में मुख्य वक्ता डॉ. चेतन स्वामी ने गुरु की महत्ता बताई। श्रीगंगानगर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यवक्ता गायत्री परिवार के डॉ. रावत उपाध्याय ने कहा कि सच्चा ज्ञान तभी प्राप्त हो सकता है जब शिष्य गुरु के प्रति निष्ठावान हो। राजकीय महाविद्यालय, झालावाड़ में कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. के. बी. भारतीय के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। राजकीय महाविद्यालय, चुरू में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रदेश संगठन मंत्री डॉ. ग्यारसीलाल जाट रहे। डॉ. ग्यारसीलाल जाट ने शिक्षकों से संयत व्यवहार के साथ विद्यार्थियों से सनातन परम्परा के अनुसार शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के मध्य दृढ़ संबंध स्थापित कर जीवन मूल्यों को सार्थक करने का आह्वान किया। राजकीय एम. एस. जे. महाविद्यालय, भरतपुर में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्राचार्य डॉ. उमेश चतुर्वेदी ने गुरु एवं शिष्य को एक दूसरे का पूरक बताया। राजकीय महाविद्यालय, खेतड़ी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रामकृष्ण मिशन के सचिव स्वामी आत्मनिष्ठानंद थे। स्वामी आत्मनिष्ठानंद ने भारतीय सनातन परम्परा से प्रेरणा लेने को कहा। कार्यक्रम में डॉ. अवतार कृष्ण शर्मा, डॉ. सीताराम भार्गव, डॉ. सोमकुमार पारीक ने भी विचार व्यक्त किये। राजकीय महाविद्यालय कोटा के कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. बी. एल. शर्मा ने कहा कि मशीनीकरण के दौर में गुरुत्व का महत्व एवं शिक्षक का दायित्व बढ़ा है।

राजकीय कन्या महाविद्यालय, अलवर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता स्वामी सुदर्शनाचार्य थे। स्वामीजी ने गुरु भक्ति को ही सफलता का मार्ग बताया। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. रचना आसोपा सहित सभी सदस्यों ने हिस्सा लिया। खालसा महाविद्यालय अनूपगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षकों का सम्मान करते हुए गुरु शिष्य परम्परा में विद्यार्थियों के दायित्व के निर्वहन का संकल्प लिया। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा एवं राजकीय महाविद्यालय जयपुर का संयुक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सदस्यों ने भारतीय गुरु परम्परा निर्वहन का संकल्प लेते हुए विचार व्यक्त किये। राजकीय महाविद्यालय किशनगढ़ में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता स्वामी देवाचार्य जी थे। स्वामीजी ने कहा प्राचीन गुरु शिष्य परम्परा के निर्वहन से ही समाज के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। कार्यक्रम में कॉलेज शिक्षा के पूर्व प्राचार्य प्रो. मिलाप चन्द जैन ने भी अपने विचार व्यक्त किये। राजकीय महाविद्यालय, भोपालगढ़ में कार्यक्रम के मुख्य-अतिथि श्री गोविन्दराम शास्त्री ने शिक्षकों से कड़ी

मेहनत एवं तर्कसंगत बातों से युवा पीढ़ी को सन्मार्ग की ओर अग्रसर करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. जी.एन. पुरोहित सहित सभी प्राध्यापक उपस्थित थे। राजकीय महाविद्यालय, गुढ़ा में डॉ. विकास भड़िया सहित प्राध्यापकों ने गुरु परम्परा पर अपने विचार रखे।

इसके अतिरिक्त राजकीय महाविद्यालय जोधपुर, प्रतापगढ़, ओसियाँ, टोंक, कोटपुतली, कपासन, नोहर, भीलवाड़ा, निम्बाहेड़ा, हनुमानगढ़, गंगापुरसिटी, केकड़ी, दौसा, सवाईमाधोपुर, कला अलवर, बूंदी, पाली, कॉमर्स कोटा, सराड़ा, रतनगढ़, नवलगढ़, राजगढ़ (अलवर), ब्यावर, गोविन्दगढ़ (अलवर), रामगढ़ शेखावटी, सूरतगढ़, श्रीगंगानगर, लूणकरनसर, बहरोड़, कन्या सीकर, कन्या नाथद्वारा, कन्या कोटपुतली, कन्या भरतपुर, कन्या झुंझुंनु, कन्या डूंगरपुर, कन्या शाहपुरा, कन्या श्रीगंगानगर, कन्या बून्दी, नीम का थाना, कन्या चौमूं, विधि अजमेर, एच. के. एन. पी.जी. महाविद्यालय घड़साना सहित प्रदेश की 139 इकाईयों में गुरुवन्दन कार्यक्रम पूरे उत्साह से सम्पन्न हुए।

2. **प्रदेशभर में वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न** - संगठन की विभिन्न इकाईयों ने पर्यावरण संरक्षण में अपना सहयोग करते हुए महाविद्यालय परिसरों में वृक्षारोपण किए तथा उनकी सारसंभाल का संकल्प लिया। राजकीय महाविद्यालय कोटा एवं कला कोटा की इकाईयों ने अपना संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में सघन वृक्षारोपण किया। राजकीय महाविद्यालय झालावाड़ में प्राचार्य के. बी. भारतीय एवं विभाग सचिव डॉ. जी. के. मालवीय के नेतृत्व में इकाई द्वारा 50 से अधिक पौधे रोपे गए। राजकीय महाविद्यालय अजमेर में संघ के क्षेत्र कार्यवाह श्री हनुमानसिंहजी राठौड़ के सान्निध्य में इकाई द्वारा वृक्षारोपण किया गया। चुरू इकाई द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में संगठन मंत्री श्री ग्यारसीलाल जाट उपस्थित रहे। राजकीय महाविद्यालय नसीराबाद द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम भैरव धाम राजगढ़ के मुख्य उपासक श्री चम्पालालजी महाराज एवं पुलिस उपअधीक्षक एच. एन. सौगानी के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर में भारतीय किसान संघ के प्रान्त संगठन मंत्री श्री हेमराजजी के मुख्य आतिथ्य में सघन वृक्षारोपण किया गया। इनके अतिरिक्त भोपालगढ़, कन्या कोटा, कपासन, खेतड़ी, कन्या नाथद्वारा, भीलवाड़ा, राजगढ़, सरदारशहर, टोंक, कन्या अलवर, गंगापुर, सवाईमाधोपुर, सिरोही सहित 43 इकाईयों ने अभी तक 1000 से अधिक वृक्ष रोपे हैं।

3. **शैक्षिक संगोष्ठियाँ:**- रुक्टा(राष्ट्रीय) की पहचान शिक्षक हितों के लिए प्रतिबद्ध संगठन के रूप में ही नहीं वरन व्यापक शिक्षा एवं राष्ट्रहित में कार्य करने की भी रही है। राज्य की उच्च शिक्षा में कार्यरत हम सब शिक्षक, शिक्षा एवं समाज के उत्कर्ष हेतु सही विचार एवं दिशा दें इस ओर संगठन का चिन्तन रहता ही है। इसी क्रम में रुक्टा(राष्ट्रीय) व शैक्षिक मंथन संस्थान के संयुक्त बैनर तले विभाग केन्द्रों पर प्रादेशिक/राष्ट्रीय स्तर की गोष्ठियों के आयोजन की योजना बनी। कोटा, अलवर, जोधपुर एवं उदयपुर में आयोजित संगोष्ठियों में शिक्षा के समुन्नयन को लेकर उत्कृष्ट संवाद व शोध पत्र प्रस्तुत हुए हैं। कुछ विभागों द्वारा नवम्बर माह में संगोष्ठियाँ आयोजित की जानी है। सभी संगोष्ठियों की विस्तृत रिपोर्ट एक साथ अगले परिपत्र में प्रस्तुत होगी। साथ ही इन संगोष्ठियों में आये शोध पत्रों के प्रकाशन की योजना भी है।

4. **प्रदेश कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न** - संगठन की विस्तृत प्रदेश कार्यकारिणी बैठक दिनांक 21 अगस्त को संगठन उपाध्यक्ष डॉ. रेखा भट्ट की अध्यक्षता में जयपुर में सम्पन्न हुई।

सामूहिक सरस्वती वंदना के पश्चात् महामंत्री ने गत बैठक का कार्यवाही विवरण प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। गत बैठक के पश्चात् संगठन की गतिविधियों एवं उपलब्धियों का

लेखा-जोखा महामंत्री द्वारा विस्तार से बताया गया। इसके बाद गुरु वंदन कार्यक्रम एवं 1 से 15 जुलाई तक सम्पन्न सदस्यता अभियान की समीक्षा की गयी। इस बार की कुल सदस्यता 5673 रही जो पिछले वर्ष से लगभग 450 ज्यादा रही। इकाईश: सम्पन्न गुरु वंदन कार्यक्रमों की संख्या 139 रही, महामंत्री द्वारा सभी कार्यकर्त्ताओं एवं सदस्यों का इस सहयोग हेतु आभार जताया गया। बैठक के अगले चरण में राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जगदीश प्रसाद सिंघल ने 7वें वेतन आयोग एवं यू.जी.सी. पे रिव्यू कमेटी के संबंध में शैक्षिक महासंघ की उच्च शिक्षा कार्य समिति की दिल्ली में सम्पन्न बैठक की विस्तृत जानकारी देते हुए यूजीसी पे रिव्यू कमेटी को प्रस्तुत किए जाने वाले प्रतिवेदन के बारे में बताया।
इसके बाद शिक्षक समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक में सदस्यों ने बताया कि सरकार द्वारा महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम परिवर्तन के संबंध में केन्द्र सरकार से झूठ बोलने, असंवेदनशीलता बरतने तथा राज्य की उच्च शिक्षा की जानबूझकर उपेक्षा करने के कारण सरकार के प्रति गहरा आक्रोश एवं निराशा है। शिक्षकों द्वारा केबिनेट मंत्री श्री कालीचरण सराफ द्वारा की गई घोषणाओं को उनके द्वारा पूरा नहीं करवा पाने पर गहरा रोष प्रकट किया गया। कार्यकारिणी बैठक में चले मंथन में देश भर में बदलाव होने, यू.जी.सी. द्वारा व्याख्याता पदनाम समाप्त करने, मंत्रीजी की घोषणा को ढाई वर्ष से अधिक होने के बावजूद पदनाम परिवर्तन नहीं करने से कालेज शिक्षकों के धैर्य खोने एवं आंदोलन का रास्ता पकड़ने पर मतैक्य रहा। कार्यकारिणी ने यह निर्णय किया है कि यदि सरकार शीघ्र ही इस विषय में सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो प्रदेश की उच्च शिक्षा में कार्यरत शिक्षक महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों से बाहर आकर सड़क पर आंदोलन करने उतरेंगे। इसके पश्चात् सितम्बर व अक्टूबर में शिक्षा की गुणवत्ता से संबंधित विभिन्न पक्षों पर सम्पन्न होने वाली संगोष्ठियों के विषय स्थान एवं तिथियों पर चर्चा कर माह के अंत में अंतिम रूप देने का निर्णय किया गया। समारोप सत्र में उद्बोधन देते हुए शैक्षिक मंथन पत्रिका के प्रधान सम्पादक प्रो. संतोष पाण्डेय ने कहा कि हमें व्यक्तिगत एवं संस्थागत गुणवत्ता पर जोर देना होगा। उन्होंने कहा कि हमें केवल प्रश्न ही नहीं उठाने हैं बल्कि समाधान भी प्रस्तुत करना है। अंत में गत बैठक के पश्चात् परम तत्व में लीन शिक्षक साथियों प्रो. बबीता सिंघल कोटा, प्रो. विनोद जोशी जयपुर, प्रो. बी. एल. सोनी जयपुर, प्रो. कोमल मेहता बांसवाड़ा को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट मौन रख कर प्रार्थना की गई। सामूहिक कल्याण मंत्र के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

5. **अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान समारोह सम्पन्न** - अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ के तत्वावधान में अखिल भारतीय शिक्षा भूषण शिक्षक सम्मान समारोह रा. स्व. संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत जी एवं गायत्री परिवार के प्रमुख डॉ. प्रणव पंड्या जी के सानिध्य में 24 जुलाई को संपन्न हुआ।
नई दिल्ली के सिविक सेंटर स्थित केदारनाथ साहनी आडिटोरियम में आयोजित सम्मान समारोह में शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए भागवत जी ने कहा कि शिक्षा में परम्परा चलनी चाहिए, शिक्षक को शिक्षा व्यवस्था के साथ विद्या और संस्कारों की परम्परा को भी साथ लेकर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सत्य है कि हम जो सुनते हैं वह नहीं सीखते और जो दिखता है वह शीघ्र सीख जाते हैं। आज सिखाने वालों में जो दिखना चाहिए वह नहीं दिखता और जो नहीं दिखना चाहिए वह दिख रहा है। इसलिए शिक्षकों को स्वयं अपने कृतित्व का उदाहरण बनकर दिखना चाहिए तभी वह छात्रों को सही दिशा दे सकेंगे।
डॉ. प्रणव पंड्या जी ने उद्बोधन देते हुए कहा कि आज शिक्षा अच्छा पैकेज देने का माध्यम बन गई है। पैसे के बल पर डिग्रियाँ बाँटने वाले संस्थानों की बाढ़ आ गई है। 1991 के बाद उदारीकरण की नीति बनाते समय हमने शिक्षा नीति के बारे में कुछ सोचा नहीं। इसका परिणाम आज अपने ही देश के विरूद्ध

नारे लगाते हुए छात्रों के रूप में दिख रहा है। समारोह में वरिष्ठ शिक्षाविद् श्री दीनानाथ बत्रा, डॉ. प्रभाकर भानूदास मांडे, सुश्री मंजूश्री बलवंतराव रहालकर को शिक्षा भूषण सम्मान से सम्मानित किया।

इस अवसर पर सहसरकार्यवाह श्री सुरेश जी सोनी एवं डॉ. कृष्ण गोपाल जी, प्रो. अनिरूद्ध देशपाण्डे जी, राजस्थान वि.वि. के कुलपति प्रो. जगदीश प्रसाद सिंघल, संगठन मंत्री श्री महेन्द्र कपूर सहित गणमान्य व्यक्तियों व भारी संख्या में शिक्षकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। समारोह की अध्यक्षता शैक्षिक फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रोफेसर के. नरहरि ने की।

6. **राष्ट्रीय कार्यकारिणी व साधारण सभा बैठक सम्पन्न** – अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक महासंघ के अध्यक्ष डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल की अध्यक्षता में दिनांक 24 व 25 सितम्बर 2016 को कल्याणी देवस्थान, डोम आश्रम, जिला अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड में संपन्न हुई। बैठक के उद्घाटन समारोह में कल्याणी देवस्थान, डोल आश्रम के स्वामी विश्वेश्वरानन्द जी मुख्य अतिथि एवं स्वामी शिवमुनि जी विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे। परिचय के पश्चात, महासंघ से सम्बद्ध सभी संगठनों द्वारा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की गत बैठक के पश्चात् उनके संगठनों द्वारा संपन्न गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया गया।

बैठक के प्रथम सत्र में महासंघ के अतिरिक्त महामंत्री श्री के. बालकृष्ण भट्ट ने गत बैठक का कार्यवाही विवरण प्रस्तुत किया जिसकी सदन ने पुष्टि की। कोषाध्यक्ष ने महासंघ के अंकेक्षित आय-व्यय का विवरण दिया, जिसे सदन द्वारा स्वीकार किया गया। महासंघ की साधारण सभा में प्रस्तुत किये जाने वाले तीन प्रस्तावों को प्रस्तुत किया गया तथा यथोचित विचार-विमर्श के उपरान्त इन्हें सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। प्रथम, राष्ट्र केन्द्रित शिक्षा नीति का निर्माण एवं कार्यान्वयन सुनिश्चित करने, दूसरा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की मर्यादा सुनिश्चित करने तथा तीसरा, शिक्षा एवं शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण करने से संबंधित प्रस्ताव पारित किये गये। सायंकाल प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा संवर्ग की समूहशः बैठक सम्पन्न हुई जिनमें संबंधित वर्ग की समस्याओं व उनके निवारण के उपाय तथा कार्यक्रमों पर विचार किया गया।

25 सितम्बर को अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की साधारण सभा संपन्न हुई। साधारण सभा में गत साधारण सभा की कार्यवाही का अनुमोदन किया गया। सभा में अतिरिक्त महामंत्री व कोषाध्यक्ष ने क्रमशः महामंत्री का प्रतिवेदन व वर्ष भर का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। साधारण सभा ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा अनुमोदित प्रस्तावों पर विचार किया व कतिपय सुझावों के साथ सर्वस्वीकृति प्रदान की। अध्यक्षीय प्रबोधन में अध्यक्ष डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल ने संगठनों व कार्यकर्ताओं को विशिष्ट तथ्यों की ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए, महासंघ के सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिये उत्साह के साथ जुटने का आह्वान किया। बैठक में रुक्टा(राष्ट्रीय) की ओर से संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजय सिंह एवं संगठन मंत्री डॉ. ग्यारसीलाल जाट ने भाग लिया।

7. **यूजीसी वेतन समीक्षा समिति के संबंध में महासंघ की बैठक सम्पन्न** – यूजीसी वेतन समीक्षा समिति को प्रस्तुत किये जाने वाले प्रस्तावों के संबंध में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की उच्च शिक्षा कार्य समिति की कार्यशाला 7 अगस्त, 2016 को हरियाणा भवन, नई दिल्ली में संपन्न हुई। कार्यशाला में महासंघ से संबंद्ध देश भर के संगठनों से आए प्रतिनिधियों ने इस संबंध में अपना पक्ष रखते हुए विस्तृत सुझाव दिये। इन सुझावों के आधार पर महासंघ द्वारा वेतन समीक्षा समिति को प्रस्तुत किए जाने वाले प्रतिवेदन का ड्राफ्ट तैयार किया गया। कार्यशाला में रुक्टा(राष्ट्रीय) की ओर से संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजय सिंह, संगठन महामंत्री व संगठन उपाध्यक्ष डॉ. रेखा भट्ट ने भाग लिया।

8. **सदस्यता** - पिछले तीन वर्षों से संगठन की सदस्यता सीमित समय में करने की योजना पर कार्य हुआ है। पिछले वर्षों में रहे उत्साहजनक परिणाम के आलोक में इस वर्ष प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा संगठन की सदस्यता 1 से 15 जुलाई के मध्य ही एकत्र करने का निर्णय किया गया। सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से सार्थक परिणाम प्राप्त हुए एवं इस सत्र् हेतु शिक्षकों की कुल **5716** सदस्यता प्राप्त हुई है। यह उल्लेखनीय है कि नए सत्र के प्रथम दिन अधिकतम सदस्यता दिवस पर सभी कार्यकर्त्ताओं के सक्रिय योगदान से एक ही दिन में रिकार्ड 4387 सदस्यता का संग्रहण हुआ। विभागवार सदस्यता इस प्रकार है-

भरतपुर (274) - राजकीय महाविद्यालय भरतपुर-116, डीग-12, बयाना-7, धौलपुर-32, कन्या भरतपुर-37, कन्या बयाना-2, कन्या धौलपुर-5, विधि भरतपुर-2, वर्द्धमान विश्वविद्यालय विस्तार केन्द्र 1, बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर-6, **निजी महाविद्यालय** अग्रसेन महिला भरतपुर-17, विदेह कोर भरतपुर-1 अग्रसेन कन्या बयाना-3, जगदम्बा कॉलेज बयाना-1, एस.आर.पी.जी. नदबई-6, अग्रसेन कॉलेज नगर-7, आर्य महिला भुसावर-1, कमला पी जी धौलपुर-1, पुनिया देवी हलेना-5, राजस्थान कॉलेज बयाना-2, महालक्ष्मी कॉलेज झील (बयाना)-2, रविन्द्र सिंह कॉलेज कामां-1, रतन सिंह पी.जी. कुम्हेर-7

अलवर (363) - राजकीय महाविद्यालय अलवर-82, कला अलवर-101, थानागाजी-11, गोविन्दगढ़-5, बीबीरानी-14, राजगढ़-44, तिजारा-4, बहरोड़-14, बाँदीकुई-27, कन्या अलवर-61

जयपुर-I (561) - राजकीय महाविद्यालय जयपुर-24, आयुक्तालय जयपुर-54, संगीत संस्थान-8, स्कूल ऑफ आर्ट्स-14, कोटपुतली-63, चिमनपुरा-104, दौसा-91, महुआ-5, सिकराय-5, लालसोट-17, कन्या कोटपुतली-14, कन्या शाहपुरा-17, कन्या दौसा-24, कन्या लालसोट-3, राजस्थान विश्वविद्यालय-60, **निजी महाविद्यालय** सुबोध जयपुर-21, प्रताप वि. वि. जयपुर-4, एमिटी वि. वि. जयपुर-2, जे. के. एल. वि. वि. जयपुर-1, अग्रवाल जयपुर-2, एन.आई.एम.एस. जयपुर-7, अग्रसेन टी. टी.,जयपुर-20, पूर्णिमा जयपुर-1

जयपुर-II (287) - राजकीय महाविद्यालय टोंक-57, देवली-10, मालपुरा-12, उनियारा-12, निवाई-9, कालाडेरा-87, सांभरलेक-37, कन्या टोंक-13, कन्या चौमूं-34, एस.जी. पारिक चौमूं-16

सवाईमाधोपुर (168) - राजकीय महाविद्यालय सवाईमाधोपुर-47, गंगापुरसिटी-27, खंडार-5, बामनवास-2, करौली-43, हिंडोनसिटी-12, टोडाभीम-6, सपोटरा-4, नादोती-2, कन्या सवाईमाधोपुर-12, कन्या करौली-8

सीकर (611) - राजकीय महाविद्यालय सीकर-125, नीम का थाना-45, रामगढ़ शेखावटी-12, झुंझुनु-16, गुढ़ा-6, नवलगढ़-8, खेतड़ी-30, चुरू-56, सुजानगढ़-22, रतनगढ़-12, तारानगर-12, सरदारशहर-20, राजगढ़-4, कन्या सीकर-6, कन्या होद-3, कन्या नीम का थाना-11, कन्या झुंझुंनु-16, कन्या रतनगढ़-2, कन्या तारानगर-1, विधि सीकर-4, विधि चूरू-2, **निजी महाविद्यालय** गौमतीदेवी बड़ागांव-10, एम.डी. विज्ञान झुंझुनु-13, जे. बी. शाह झुंझुनु-9, पौद्दार नवलगढ़-35, राजेश पी.जी. पिलानी-23, रमादेवी महिला नुआ-15, आ. के.जे. के.गरासिया सूरतगढ़-21, कृष्णा सत्संग सीकर-15, मित्तल कन्या सरदारशहर-7, स्वामी केशवानन्द सीकर-7, मोतीलाल झुन्झुनु-18, न्यू राजस्थान झुन्झुनु-9, हरकोरी देवी झुन्झुनु-10, एस.के.साबू झुन्झुनु-4, की स्टोन सूरजगढ़-1, बालिका महाविद्यालय चुरू-1

श्रीगंगानगर (821) - राजकीय महाविद्यालय श्रीगंगानगर-41, सूरतगढ़-22, अनूपगढ़-6, हनुमानगढ़-17, नोहर-20, कन्या श्रीगंगानगर-37, कन्या सादुलशहर-7, विधि श्रीगंगानगर-2,

निजी महाविद्यालय जी.एल. बिहानी श्रीगंगानगर–37, एम.डी. श्रीगंगानगर–55, टैगोर पी.जी सूरतगढ़–11, पी.जी. सूरतगढ़–18, बी.एड. सूरतगढ़–7, भगतसिंह रायसिंहनगर–5, एम.डी. कन्या रायसिंहनगर–7, शकुन्तलम रायसिंहनगर–10, व्यापार मंडल हनुमानगढ़–16, श्री गुरुनानक खालसा हनुमानगढ़–25, बेबी हम्पी मोडल हनुमानगढ़–25, इंदिरा गांधी मेमोरियल पीलीबंगा–10, डॉ. राधाकृष्णन कन्या श्रीगंगानगर–15, मीनाक्षी सेतिया श्रीगंगानगर–11, श्री गुरुनानक कन्या श्रीगंगानगर–23, एस.के.बी. हनुमानगढ़–20, एस.जी.एन. खालसा अनूपगढ़–10, एच.के.एम.पी.जी घड़साना–21, एम.जे. कुम्हेरिया पी.जी. रावलमंड़ी–14, चो.के.आर. कन्या घड़साना–5, एम.डी. रावतसर–24, सरस्वती पूरबसर–15, महावीर जैन हनुमानगढ़–10, दून कन्या हनुमानगढ़–8, सरस्वती कन्या हनुमानगढ़–7, संस्कार इंटरनेशनल महिला हनुमानगढ़–10, बेसिक कॉलेज रावतसर–5, आदर्श शिक्षा समिति रावतसर–4, श्रीपति कन्या पीलीबंगा–5, ग्रा. वी. पीठ गृह विज्ञान महिला संगरिया–15, अम्बिका पल्लू–7, वैदिक रावतसर–8, अपैक्स को. एजू. रावतसर–6, एस.डी. डिग्री जाखरावाली–15, आत्मवल्लभ जैन कन्या श्रीगंगानगर–6, खालसा विधि श्रीगंगानगर–3, सादुलशहर डिग्री कॉलेज–5, हरिन्द्रकौर पी.जी. सादुलशहर–8, मूर्ति देवी बी.एड. सादुलशहर–2, गुरूनानक कन्या केसरीसिंहपुर–7, एम.डी.एम. रायसिंहनगर–11, एम.डी.एम. बी.एड. रायसिंहनगर–6, श्री रविन्द्र नाथ रावतसर–6, ग्रामीण कन्या भादरा–17, रियान हनुमानगढ़–18, पुलकित रावलमंडी–10, नौहर डिग्री कॉलेज–5, गार्गी कन्या नौहर–5, राधाकृष्णन कन्या नौहर–4, बी.बी.एड. नौहर–5, गोगाजी कन्या भादरा–5, मरूधरा पल्लू–7, राजस्थान कॉलेज पल्लू–5, कसवा कॉलेज टिब्बी–12, सरस्वती कन्या भादरा–12, चौ.एस.आर. कॉलेज पतरोड़ा–6, श्याम महिला भादरा–20

बीकानेर (471) – राजकीय महाविद्यालय बीकानेर–136, नोखा–11, लूणकरणसर–4, नागौर–28, जायल–3, डेगाना–6, मेड़तासिटी–11, डीडवाना–31, खाजूवाला–1, कन्या बीकानेर–64, कन्या नागौर–5, विधि बीकानेर–3, विधि नागौर–1, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर–21, **निजी महाविद्यालय** बिनानी कन्या बीकानेर–11, बेसिक पी.जी. बीकानेर–18, श्री डूंगरगढ़ कॉलेज डूंगरगढ़–4, ज्ञान विधि बीकानेर–6, बी.जी.एस. रामपुरिया बीकानेर–7, सिस्टर निवेदिता बीकानेर–5, नेहरु शारदापीठ, बीकानेर–7, जगदम्बा खाजूवाला–18, एस.के. चन्डी–9,

बाड़मेर (67) – राजकीय महाविद्यालय बाड़मेर–26, बालोतरा–7, बायतु–3, जैसलमेर–11, कन्या बाड़मेर–7, कन्या बालोतरा–7, कन्या जैसलमेर–6

जोधपुर (170) – राजकीय महाविद्यालय जोधपुर–15, ओसियां–8, फलौदी–5, भोपालगढ़–18, बालेसर–5, बिलाड़ा–5, कन्या पीपाड़सिटी–4, संस्कृत जोधपुर–7, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर–47, **निजी महाविद्यालय** औंकारमल सोमानी जोधपुर–20, महिला पी.जी. जोधपुर–3, आदर्श जोधपुर–9, श्री पुष्टिकर स्मृति जोधपुर–15, लाचू मेमोरियल जोधपुर–6, नाकोडा कॉलेज जोधपुर–3

पाली (157) – राजकीय महाविद्यालय पाली–52, सोजतसिटी–5, जैतारण–7, बाली–5, सुमेरपुर–3, जालौर–13, भीनमाल–1, सिरोही–27, शिवगंज–6, आबूरोड़–14, कन्या पाली–10, कन्या जालौर–7, कन्या सिरोही–4, विधि पाली–2, विधि सिरोही–1

बांसवाड़ा (82) – राजकीय महाविद्यालय बांसवाड़ा–32, कुशलगढ़–4, सागवाड़ा–2, डूंगरपुर–24, कन्या बांसवाड़ा–13, कन्या डूंगरपुर–7

उदयपुर (336) - राजकीय महाविद्यालय खैरवाड़ा-20, सराडा-2, सलुम्बर-7, राजसमंद-10, कोटड़ा-3, नाथद्वारा-46, कन्या उदयपुर-132, कन्या खैरवाड़ा-8, कन्या नाथद्वारा-13, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर-62, **निजी महाविद्यालय** बी.एन. विश्वविद्यालय उदयपुर-33

चित्तौड़ (87) - राजकीय महाविद्यालय चित्तौड़गढ़-43, कपासन-5, निम्बाहेड़ा-9, मंडफिया-5, प्रतापगढ़-11, धरियावाद-2, रावतभाटा-1, कन्या चित्तौड़गढ़-11

भीलवाड़ा (145) - राजकीय महाविद्यालय भीलवाड़ा-81, आसींद-3, मांडलगढ़-1, शाहपुरा-20, कन्या भीलवाड़ा-40

अजमेर (524) - राजकीय महाविद्यालय अजमेर-203, केकड़ी-14, ब्यावर-69, किशनगढ़-50, नसीराबाद-35, पुष्कर-10, कन्या अजमेर-37, कन्या सरवाड़-5, विधि अजमेर-6, एम. डी. एस. विश्वविद्यालय, अजमेर-16, **निजी महाविद्यालय** दयानंद अजमेर-20, बी.एड. हटुण्डी-1, एस.पी.सी. जैन पीसांगन-6, प्राज्ञ बिजयनगर-17, गायत्री पुष्कर-5, आर्य बालिका ब्यावर-12, वर्द्धमान बालिका ब्यावर-18

कोटा (510) - राजकीय महाविद्यालय कोटा-91, विज्ञान कोटा-65, वाणिज्य कोटा-21, रामगंजमंडी-2, सांगोद-4, बूंदी-59, कन्या कोटा-105, कन्या बूंदी-11, कोटा विश्वविद्यालय कोटा-25, वर्द्धमान खुला विश्वविद्यालय कोटा-17, **निजी महाविद्यालय** सीक्रेड हार्ट कोटा-1, भगवान आदिनाथ नैनवां-9, अकलंक गर्ल्स पी.जी. कोटा-10, रुक्मणिदेवी जटिया रामगंजमंडी-3, एम. डी. मिशन कोटा-2, संजीवनी अकतासा -7, महाराजा मूलसिंह लखेरी-9, माँ भारती कोटा-20, एस.आर.डी. मोदी कोटा-2, एम.आई.एम.टी. कोटा-9, जैन दिवाकर कोटा-5, एल. जेबरा कोटा-9, ए.पी.एस. हिण्डोली-6, सुन्दर देवी बून्दी-3, सकलेन बून्दी-4, पाटन कन्या बून्दी-5, एकलव्य बून्दी-6

बारां (82) - राजकीय महाविद्यालय बारां-20, केलवाड़ा-2, झालावाड़-30, मनोहरथाना-2, चौमहला-1, पिडावा-1, भवानीमंडी-6, कन्या बारां-4, कन्या झालावाड़-7, **निजी महाविद्यालय** जैन विश्व भारती छबड़ा-9

9. **प्रदेश अधिवेशन हेतु प्रस्ताव आमंत्रित:-** संगठन का वार्षिक प्रदेश अधिवेशन जनवरी के प्रथम-द्वितीय सप्ताह में आयोज्य है। प्रदेश के अधिवेशन आयोजन हेतु इकाईयों से प्रस्ताव आमंत्रित है। इकाई की बैठक में प्रस्ताव पारित करवाकर ructarashtriya@gmail.com पर 10 नवम्बर 2016 तक भिजवाने हैं।

भवदीय

(डॉ. नारायणलाल गुप्ता)

20, चित्रकूट कॉलोनी,
माकड़वाली रोड़, अजमेर-305004

अमृत वचन

"हे विश्व! हमारा यह हिन्दुस्थान तपोधन है, सहिष्णुता इस धरती का स्वाभाविक गुण है, किन्तु कोई हमारी मातृभूमि की उदारता का अनुचित लाभ उठाने का प्रयास कदापि न करे। उसे स्मरण रखना चाहिए कि जिस हिन्दुस्थान के हृदय-स्थल में सभी के साथ सहिष्णुतापूर्ण व्यवहार करने की महान परम्परा विद्यमान है, उसी में प्रलयंकार अग्नि भी सुरक्षित है।"

- 'विनायक दामोदर सावरकर'